मगध राज्य का उत्कर्ष

1. मगध के सबसे प्राचीन वंश के संस्थापक थे–
(अ) जरासंघ (ब) बृहद्रथ
(स) बिम्बिसार (द) चन्द्रगुप्त मौर्य
उत्तर : (ब)
2. मगध की राजधानी थी–
(अ) गिरिब्रज (राजगृह) (ब) पाटलिपुत्र
(स) वैशाली (द) वज्जि
उत्तर : (अ)
3. जरासंघ के पिता का नाम था–
(अ) जरासंघ (ब) बृहद्रथ
(स) बिम्बिसार (द) चन्द्रगुप्त मौर्य
उत्तर : (ब)
4. मगध की गद्दी पर बिम्बिसार कब बैठा था ?
(अ) 544 ई.पू. (ब) 545 ई.पू.
(स) 563 ई.पू. (द) 540 ई.पू.
उत्तर : (ब)
5. हर्यक वंश का संस्थापक था–
(अ) अजातशत्रु (ब) बृहद्रथ
(स) बिम्बिसार (द) उदयिन
उत्तर : (स)
6. बिम्बिसार ने किसे हराकर अंग राज्य को मगध में मिलाया था ?
(अ) जरासंघ (ब) नागदाशक
(स) ब्रह्मद्रथ (द) प्रसेनजित
उत्तर : (स)
7. बिम्बिसार किस धर्म का अनुयायी था ?
(अ) शैव धर्म (ब) वैष्णव धर्म
(स) जैन धर्म (द) बौद्ध धर्म
उत्तर : (द)
8. बिम्बिसार ने किस नगर का निर्माण कर उसे अपनी राजधानी बनाया ?
(अ) वैशाली (ब) राजगृह
(स) पाटलिपुत्र (द) मथुरा
उत्तर : (ब)
9. बिम्बिसार ने मगध पर करीब कितने वर्षों तक शासन किया ?
(अ) 36 (ब) 48
(स) 52 (द) 62
उत्तर : (स)
10. महात्मा बुद्ध की सेवा में किस मगध शासक ने राजवैद्य जीवक को भेजा था ?
(अ) अजातशत्रु (ब) बिम्बिसार
(स) शिशुनाग (द) उदयिन
उत्तर : (ब)
11. अवन्ति के राजा प्रद्योत जब पाण्डु रोग से ग्रसित थे, उस समय बिम्बिसार ने किस राजवैद्य को उनकी सेवा सुश्रुषा के लिए भेजा था ?
(अ) धनवंतरि (ब) जीवक
(स) पतंजलि (द) चरक
उत्तर : (ब)
12. मगध शासक बिम्बिसार ने वैवाहिक संबंध स्थापित कर अपने साम्राज्य का विस्तार किया जिसके संदर्भ में निम्नलिखित में से कौनसा कथन असत्य है ?
(अ) कोशल नरेश प्रसेनजित की बहन महाकोशला से विवाह किया
(ब) वैशाली के चेटक की पुत्री चेल्लना से विवाह किया
(स) मद्र देश (आधुनिक पंजाब) की राजकुमारी श्रेमा से विवाह किया
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (द)
13. 493 ई.पू. में बिम्बिसार की हत्या उसके पुत्र ने कर दी और मगध की गद्दी पर बैठा। वह था–
(अ) नागदाशक (ब) शिशुनाग
(स) उदयिन (द) अजातशत्रु
उत्तर : (द)
14. मगध शासक अजातशत्रु का उपनाम था–
(अ) कुणिक (ब) शत्रुहंता
(स) घातक (द) अजित
उत्तर : (अ)
15. अजातशत्रु ने कितने वर्षों तक मगध पर शासन किया ?
(अ) 42 (ब) 32
(स) 52 (द) 36
उत्तर : (ब)
16. मगध शासक अजातशत्रु ने अपने सुयोग्य मंत्री वर्षकार की सहायता से किस राज्य पर विजय प्राप्त की ?
(अ) वैशाली (ब) कौशाम्बी
(स) वज्जि (द) पाटलिपुत्र
उत्तर : (अ)
17. 461 ई.पू. में अजातशत्रु की हत्या उसके पुत्र ने कर दी और मगध की गद्दी पर बैठा। वह था–
(अ) नागदाशक (ब) शिशुनाग
(स) उदयिन (द) अजातशत्रु
उत्तर : (स)
18. मगध शासक उदयिन किस धर्म का अनुयायी था ?
(अ) शैव धर्म (ब) वैष्णव धर्म
(स) जैन धर्म (द) बौद्ध धर्म
उत्तर : (स)

www.rajstudents.com

19. हर्यक वंश का अंतिम शासक था–
(अ) अजातशत्रु (ब) शिशुनाग
(स) उदयिन (द) नागदाशक
उत्तर : (द)

20. हर्यक वंश का अंतिम शासक नागदाशक किसका पुत्र था ?
(अ) अजातशत्रु का (ब) बिम्बिसार का
(स) उदयिन का (द) शिशुनाग का
उत्तर : (स)

21. हर्यक वंश के अंतिम शासक नागदाशक को उसके अमात्य ने 412 ई.पू. में अपदस्थ करके मगध पर शिशुनाग वंश की स्थापना की। वह था–
(अ) घनानंद (ब) शिशुनाग
(स) महापद्मनंद (द) नंदिवर्धन
उत्तर : (ब)

22. शिशुनाग ने अपनी राजधानी पाटलिपुत्र से हटाकर कहाँ स्थापित की थी ?
(अ) पाटलिपुत्र (ब) वैशाली
(स) कुशीनगर (द) मथुरा
उत्तर : (ब)

23. शिशुनाग ने अपनी राजधानी पाटलिपुत्र से हटाकर वैशाली स्थापित की थी, जिसे किस शासक के द्वारा पुनः पाटलिपुत्र ले जाया गया ?
(अ) कालाशोक (ब) नंदिवर्धन
(स) घनानंद (द) नागदाशक
उत्तर : (अ)

24. शिशुनाग का उत्तराधिकारी था–
(अ) नागदाशक (ब) अजातशत्रु
(स) कालाशोक (द) नंदिवर्धन
उत्तर : (स)

25. शिशुनाग वंश का अंतिम राजा था–
(अ) नागदाशक (ब) अजातशत्रु
(स) कालाशोक (द) नंदिवर्धन
उत्तर : (द)

26. नंद वंश का संस्थापक था–
(अ) घनानंद (ब) शिशुनाग
(स) महापद्मनंद (द) नंदिवर्धन
उत्तर : (स)

27. नंद वंश का अंतिम शासक था–
(अ) घनानंद (ब) शिशुनाग
(स) महापद्मनंद (द) नंदिवर्धन
उत्तर : (अ)

28. नंद वंश का अंतिम शासक घनानंद किसके समकालीन था ?
(अ) चन्द्रगुप्त प्रथम (ब) सिकन्दर
(स) नागदाशक (द) नंदिवर्धन
उत्तर : (ब)

29. चन्द्रगुप्त मौर्य ने नंद वंश के किस शासक को युद्ध में पराजित किया और मगध पर एक नये वंश 'मौर्य वंश' की स्थापना की ?
(अ) नागदाशक (ब) महापद्म नंद
(स) घनानंद (द) सिकन्दर
उत्तर : (स)

30. अंतिम मौर्य सम्राट वृहद्रथ की हत्या कर किसने 'शुंग वंश' की स्थापना 185 ई.पू. में की ?
(अ) पुष्यमित्र (ब) अग्निमित्र
(स) वसुमित्र (द) भागभट्ट
उत्तर : (अ)
व्याख्या– 185 ई. पू. में पुष्यमित्र शुंग ने अंतिम मौर्य सम्राट बृहद्रथ की हत्या कर मगध पर शुंग वंश की स्थापना की। पुष्यमित्र शुंग ब्राह्मण जाति का था। इण्डो–यूनानी शासक मिनांडर को पुष्यमित्र शुंग ने पराजित किया। पुष्यमित्र शुंग ने दो बार अश्वमेध यज्ञ किया। इनके लिए महर्षि पतंजलि ने अश्वमेध यज्ञ कराए। भरहूत स्तूप का निर्माण पुष्यमित्र शुंग ने करवाया। पुष्यमित्र शुंग मौर्य सेना का सेनापति था। शुंग शासकों ने अपनी राजधानी विदिशा में स्थापित की। शुंग वंश ने लगभग 112 वर्षों तक शासन किया।

www.rajstudents.com